तमारा (TAMARA)

सन्दर्भ: टीडीबी-डीएसटी ने "तमारा" नामक नवोन्मेषी घटते जल प्रबंधन परियोजना के लिए ₹89.00 लाख की फंडिंग सहायता प्रदान की है।

- वर्तमान समय में घटते वैश्विक जल संसाधन चुनौतियों का समाधान करना आवश्यक है, विशेषकर भारत के लिए।
- AMRUT 2.0 मिशन जल निकायों के संरक्षण और चक्रीय जल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।
- मिशन ब्लू इकोनॉमी भी इन सिद्धांतों के अनुरूप है, जो सतत समुद्री संसाधन उपयोग को बढ़ावा देता है।

जिम्मेदार जल प्रबंधन के लिए टीडीबी का समर्थन

- टीडीबी "इंटेलिजेंट जल प्रबंधन सिस्टम (IWMS) तमारा के विकास और व्यावसायीकरण" का समर्थन करता है।
- मेसर्स बैरिफ्लो लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, ओडिशा को टीडीबी से ₹89.00 लाख की फंडिंग प्राप्त होती है।
- इस परियोजना की कुल लागत: ₹150.00 लाख रूपये है।

तमारा परियोजना के नवीन तत्व

- **स्मार्ट तलछट वायु संचारण प्रणाली:**
  - यह एक रोबोटिक प्रणाली है जो पानी में डिफ्यूजर ऐरेटर चलाती है, जिससे पानी के तल पर ऑक्सीजन बढ़ती है।
  - इसका विभिन्न जल निकायों में सफलतापूर्वक परीक्षण किया जा चुका है।
- **स्मार्ट जलवायु-संचालित जल गुणवत्ता निगरानी प्रणाली**
  - यह प्रणाली कंप्यूटर सिमुलेशन के बाद नीचे से सतह तक पानी की गुणवत्ता की निगरानी करता है।
  - यह जल पोषक तत्व स्तर और ऑक्सीजन सामग्री को नियंत्रित भी करता है।
- **स्मार्ट वीड हार्वेस्टर प्रणाली (PLASHBOT)**
  - यह रोबोटिक घटकों का उपयोग करके अवांछित जलीय पौधों को हटाता है।
  - अपनी दक्षता सुनिश्चित करने के लिए यह स्मार्ट नेविगेशन पद्धति का उपयोग करता है।
- **संचार प्रणाली और डेटा सुरक्षा**
  - विविध उपकरणों के बीच डेटा विनिमय के लिए सुरक्षित तकनीक का उपयोग करता है।
  - इसकी विश्वसनीयता के लिए प्रयोगशाला में परीक्षण भी किया गया है।

प्रभावी जल निकाय प्रबंधन के लिए एआई-संचालित दृष्टिकोण

- TAMARA प्रोजेक्ट AI, IoT और रोबोट का उपयोग करता है।
- यह प्रणाली मौसम की स्थिति और पानी की गुणवत्ता को समझने में सक्षम है।
- यह जलीय जीवन समर्थन के लिए ऑक्सीजन और पोषक तत्वों के स्तर पर नज़र रखता है।

अमृत 2.0 मिशन

- इसे अक्टूबर 2021 में 5 वर्ष की अवधि (वित्त वर्ष 2021-22 से 2025-26) के लिए लॉन्च किया गया।
- यह जून 2015 में शुरू किए गए मूल AMRUT मिशन का विस्तृत रूप है।
- इसका उद्देश्य सभी वैधानिक कस्बों को गारंटीशुदा जल आपूर्ति और सीवर कनेक्शन तक नल की पहुंच प्रदान करना है।
- आवास और शहरी मामलों का मंत्रालय (MoHUA) इस योजना की देखरेख करता है।
- **उद्देश्य:**
  - देश भर में अमृत से आच्छादित 500 शहरों से लेकर सभी वैधानिक कस्बों तक सार्वभौमिक जल आपूर्ति कवरेज का विस्तार करना।
  - शहर की आत्मनिर्भरता और जल सुरक्षा के लिए 500 अमृत शहरों में व्यापक सीवेज और सेप्टेज नियंत्रण हासिल करना।
  - यह जल क्षेत्र में सुधार, नागरिक सुविधा और वित्तीय स्थिरता पर केंद्रित हैं।
  - जल आपूर्ति, जल निकाय पुनरुद्धार, जलभृत प्रबंधन, उपचारित अपशिष्ट जल का पुन: उपयोग और जल चक्रीय अर्थव्यवस्था में AMRUT की सफलताओं को लाभप्रद बनाना।
  - 500 अमृत शहरों में 100% सीवेज और सेप्टिक सिस्टम कवरेज प्राप्त करना।
  - प्राकृतिक संसाधनों को बनाए रखने के लिए मीठे जल निकायों को प्रदूषण से बचाना।
  - औद्योगिक मांग का 40% और शहरी जल मांग का 20% पुनर्चक्रित उपचारित अपशिष्ट जल से पूरा करना।
  - शहरों में पेयजल सर्वेक्षण के माध्यम से उचित जल वितरण, अपशिष्ट जल का पुन: उपयोग और जल निकाय मानचित्रण करना।

विरासत गोद लें योजना

सन्दर्भ: 4 सितंबर, 2023 को, ASI, भारतीय विरासत ऐप और एक ई-अनुमति पोर्टल के साथ "एडॉप्ट ए हेरिटेज 2.0 प्रोग्राम" लांच करेगा।

योजना के बारे में

- "एक विरासत गोद लें : अपनी धरोहर, अपनी पहचान" पर्यटन मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के बीच एक साझेदारी है।
- इसे विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर 27 सितंबर, 2017 को लॉन्च किया गया।
- इसका उद्देश्य सार्वजनिक और निजी संस्थाओं को विरासत स्थलों के प्रबंधन की अनुमति देकर पर्यटन में सुधार करना है।

- इसके साइटों का चयन लोकप्रियता और दृश्यता पर आधारित है।
- कोई भी व्यक्ति और संगठन, जिन्हें "स्मारक मित्र" के नाम से जाना जाता है, पांच साल के लिए साइटों को गोद ले सकते हैं।
- इस योजना में 106 पर्यटन स्थल शामिल हैं, जिसमें 600 से अधिक स्मारक मित्र पंजीकृत हैं और 27 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
- पर्यटन मंत्रालय गैर-अनुपालन या खराब प्रदर्शन के लिए स्मारक मित्रों के साथ समझौते को समाप्त कर सकता है।

योजना के उद्देश्य

- ऐतिहासिक स्थलों, स्मारकों, प्राकृतिक स्थानों और पर्यटक आकर्षणों पर बुनियादी पर्यटन बुनियादी ढांचे में सुधार करना।
- ऐतिहासिक स्थलों, स्मारकों, प्राकृतिक क्षेत्रों और पर्यटक आकर्षणों पर सुविधाओं और सेवाओं के निर्माण के माध्यम से पर्यटन अनुभव को बढ़ाना।
- जन जागरूकता बढ़ाना और देश के सांस्कृतिक विरासत के महत्व को बढ़ावा देना।

स्मारक मित्र

- "स्मारक मित्र" 'अडॉप्ट ए हेरिटेज' कार्यक्रम में भागीदारों का प्रतीक है।
- यह पर्यटन मंत्रालय के तहत शुरू हुआ और संस्कृति मंत्रालय में स्थानांतरित हो गया।
- इस परियोजना का उद्देश्य स्मारकों और पर्यटन स्थलों को बेहतर बनाना है।
- निगमों, सार्वजनिक क्षेत्र की फर्मों और व्यक्तियों को इन साइटों को "गोद लेने" के लिए आमंत्रित किया जाता है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI)

- ASI भारत के संस्कृति मंत्रालय से जुड़ा हुआ है।
- इसके कार्य में पुरातात्विक अनुसंधान, प्राचीन स्थलों की सुरक्षा और स्मारकों का संरक्षण शामिल है।
- एएसआई प्राचीन स्मारक और पुरातात्विक स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 के तहत सभी पुरातात्विक गतिविधियों की देखरेख करता है।
- यह पुरावशेष और कला खजाना अधिनियम, 1972 का भी प्रबंधन करता है।
- इसे 1861 में एक उत्साही ब्रिटिश सेना इंजीनियर जेम्स कनिंघम द्वारा स्थापित किया गया था।
- यद्यपि पुरातत्व संबंधी प्रयास पहले 1784 में सर विलियम जोन्स द्वारा गठित एशियाटिक सोसाइटी के साथ शुरू हुए थे।
- अक्सर 'भारतीय पुरातत्व के जनक' कहे जाने वाले अलेक्जेंडर कनिंघम ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- भारत की आजादी के बाद यह एएमएएसआर अधिनियम, 1958 के तहत एक वैधानिक निकाय बन गया।
- यह एक महानिदेशक द्वारा संचालित है और इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।
- 3500 से अधिक महत्वपूर्ण स्मारक और स्थल एएसआई द्वारा संरक्षित हैं।
- "प्राचीन भारत" और "एपिग्राफिया इंडिका" एएसआई प्रकाशन से सम्बंधित हैं।

विश्व में खाद्य सुरक्षा एवं पोषण की स्थिति रिपोर्ट-2023 (SOFI-2023)

सन्दर्भ: संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों ने 'शहरीकरण, कृषि खाद्य प्रणाली परिवर्तन, और ग्रामीण-शहरी विकास में स्वस्थ आहार' विषय के साथ 'SOFI 2023' रिपोर्ट लॉन्च की।

मुख्य बिंदु

- **वैश्विक भूख:**
  - महामारी, मौसम के जोखिम और संकटों के कारण 2019 के बाद से दुनिया भर में 122 मिलियन से अधिक लोग भूख का सामना कर रहे हैं।
  - इन चुनौतियों के कारण 2021 और 2022 के बीच वैश्विक भूख की संख्या बढ़ गई।
- **पोषण संबंधी पहुंच:**
  - 2022 में, लगभग 2.4 बिलियन व्यक्तियों को सुरक्षित, पौष्टिक और पर्याप्त भोजन तक पहुंच का अभाव था।
  - इस मुद्दे ने महिलाओं और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया।
- **बाल कुपोषण:**
  - 2021 में 22.3% (148.1 मिलियन) बच्चे अविकसित थे।
  - 6.8% (45 मिलियन) बच्चे कमज़ोर थे।
  - 5.6% (37 मिलियन) बच्चे अधिक वजन वाले थे।
- **शहरीकरण और आहार:**
  - शहरीकरण प्रसंस्कृत और सुविधाजनक खाद्य पदार्थों की खपत में वृद्धि करता है।
  - यह शहरी, उप-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मोटापे की दर में वृद्धि में योगदान देता है।
- **ग्रामीण बाजारों की ओर स्थानांतरण:**
  - अफ्रीका और एशिया के ग्रामीण क्षेत्र जो कभी आत्मनिर्भर थे, अब राष्ट्रीय और वैश्विक खाद्य बाज़ारों पर अधिक निर्भर हो रहे हैं।

- **भविष्य की शहरी जनसंख्या:**
  - यह अनुमान लगाया गया है कि 2050 तक वैश्विक आबादी का 70% शहरों में रहेगा।
  - यह जनसांख्यिकीय बदलाव शहरी क्षेत्रों में भूख और कुपोषण को दूर करने के लिए खाद्य प्रणालियों को नया आकार देने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

भारत-विशिष्ट निष्कर्ष

- भारत में स्वस्थ आहार की लागत ब्रिक्स देशों और पड़ोसियों में सबसे कम है।
- भारत में लगभग 74% लोग स्वस्थ आहार नहीं ले सकते।
- मुंबई में भोजन की लागत पांच वर्षों में 65% बढ़ गई, जबकि श्रम वेतन 28%-37% बढ़ गया।
- यदि किसी आहार की लागत देश की औसत आय का 52% से अधिक है, तो इसे बहुत महंगा माना जाता है।
- 2019 और 2021 के बीच, एशिया में स्वस्थ आहार का खर्च लगभग 9% बढ़ गया, जो सभी क्षेत्रों में सबसे अधिक है।
- एशिया में, दक्षिण एशिया में सबसे अधिक लोग (1.4 बिलियन) थे और सबसे अधिक लोग (72%) स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में असमर्थ थे।
- अफ्रीका में, पूर्वी और पश्चिमी अफ्रीका में सबसे अधिक लोग (712 मिलियन) थे और सबसे अधिक लोग (85%) स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में असमर्थ थे।

रिपोर्ट के बारे में

- यह रिपोर्ट FAO, IFAD, UNICEF, WFP और WHO जैसे संगठनों के संयुक्त सहयोग से बनाया गया वार्षिक प्रकाशन है।
- यह वैश्विक भूख, कुपोषण और उभरती खाद्य सुरक्षा गतिशीलता का विस्तृत दृश्य, निगरानी और विश्लेषण प्रदान करता है।
- यह रिपोर्ट सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा के ढांचे के भीतर इन उद्देश्यों को प्राप्त करने की मुख्य चुनौतियों पर अंतर्दृष्टि भी प्रदान करती है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

स्टेम सेल थेरेपी

स्टेम सेल और थेरेपी:

- स्टेम कोशिकाएँ एक अविभाजित कोशिकाएँ हैं जिनमें विशिष्ट कोशिकाओं में विभेदन करने की क्षमता होती है।
- स्टेम सेल थेरेपी रोगों को रोकने/उपचार करने, ऊतक मरम्मत को बढ़ावा देने के लिए स्टेम कोशिकाओं का उपयोग करती है।

स्टेम सेल थेरेपी का कार्य:

- **स्टेम सेल निष्कर्षण**: अस्थि मज्जा से स्टेम सेल निकालना, जो प्रयोगशाला की एक प्रक्रिया है।
- **विशेषज्ञता**: आवश्यक वयस्क कोशिका प्रकारों में स्टेम कोशिकाओं में बदलाव की विशेषज्ञता।
- **प्रत्यारोपण:** क्षतिग्रस्त ऊतक को विशेष परिपक्व कोशिकाओं से बदलना।

स्टेम सेल थेरेपी के अनुप्रयोग:

- तंत्रिका संबंधी समस्याओं, मधुमेह, गठिया और चोटों का इलाज करना।
- बीमारियों का अध्ययन करना, नई दवाओं की पहचान करना और दुष्प्रभावों की जांच करना।

स्टेम सेल थेरेपी के लाभ:

- **रोग उत्क्रमण:** रोग पीड़ितों के लिए नवीकरणीय कोशिका का स्रोत है।
- **न्यूनतमजोखिम** : गैर-सर्जिकल, कोई चीरा या निशान की आवश्यकता नहीं।
- **तेज़ पुनर्प्राप्ति:** त्वरित प्रक्रिया, न्यूनतम डाउनटाइम की आवश्यकता।
- **प्राकृतिक उपचार**: यह ऊतकों की मरम्मत के लिए नई कोशिकाओं के विकास को उत्तेजित करता है।
- **जटिलता निवारण:** इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं एवं संक्रमण का जोखिम कम करता है।

वन राजी जनजाति

उत्पत्ति और क्षेत्र:

- वन राजी जनजाति भारत की आदिम और कमजोर जनजातियों में से एक है।
- वे मुख्य रूप से उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में कुमाऊं हिमालय के गांवों में निवास करते हैं।
- जनजाति के कई सदस्य अभी भी गुफाओं में निवास करते हैं, जो उनकी प्राचीन जीवनशैली को दर्शाता है।

सामाजिक आर्थिक स्थिति:

- जनजाति को अपने दूरस्थ स्थान और आधुनिक सुविधाओं तक सीमित पहुंच के कारण सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
- इनकी आर्थिक गतिविधियों में प्राया: निर्वाह खेती, शिकार और संग्रहण शामिल होता है।

सांस्कृतिक महत्व:

- उनकी सांस्कृतिक पहचान हिमालय क्षेत्र के प्राकृतिक वातावरण से गहराई से जुड़ी हुई है।

सशक्तिकरण:

- देहरादून में दून संस्कृति स्कूल जैसी पहल विशेष रूप से आदिवासी बच्चों के लिए शिक्षा प्रदान करती है, जिसका उद्देश्य उन्हें शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाना है।

समावेशिता और मान्यता:

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के रक्षा बंधन उत्सव जैसे कार्यक्रम मनाना वन राजी जैसी कमजोर जनजातियों को पहचानने और शामिल करने के महत्व को रेखांकित करता है।
- ऐसे अवसर जनजातीय संस्कृति को प्रदर्शित करने और अपनेपन की भावना को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं।

काकरापार परमाणु ऊर्जा परियोजना (KAPP3)

स्थान: काकरापार परमाणु ऊर्जा परियोजना (KAPP3) भारत के गुजरात में स्थित है।

महत्व: यह एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र है जो भारत के ऊर्जा उत्पादन में योगदान देता है।

रिएक्टर का प्रकार:

- KAPP3 में 700-मेगावाट इलेक्ट्रिक (MWe) परमाणु ऊर्जा रिएक्टर है।
- रिएक्टर का प्रकार दबावयुक्त भारी जल रिएक्टर (PHWR) है।

परिचालन की शुरूआत: KAPP3 ने हाल ही में पूरी क्षमता से परिचालन शुरू किया है।

संरक्षा विशेषताएं:

- KAPP3 में प्रयुक्त PHWR तकनीक सुरक्षा पर जोर देती है।
- पतली दीवार वाली प्रेशर ट्यूब और उन्नत सुरक्षा प्रणालियाँ इसकी सुरक्षा प्रोफ़ाइल में योगदान करती हैं।

सरकारी मंजूरी और निवेश:

- केंद्र सरकार ने 2017 में KAPP3 सहित 12 रिएक्टरों के निर्माण को स्वीकृति दी थी।
- परियोजना के पूंजी निवेश को ऋण-से-इक्विटी अनुपात के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है।
- ऊर्जा विस्तार में योगदान: KAPP3 2031 तक परमाणु ऊर्जा क्षमता को 7,480 MWe से बढ़ाकर 22,480 MWe करने के भारत के प्रयासों का हिस्सा है।

सौर पराबैंगनी इमेजिंग टेलीस्कोप (SUIT)

सौर पराबैंगनी इमेजिंग टेलीस्कोप क्या है?

- सोलर अल्ट्रावॉयलेट इमेजिंग टेलीस्कोप (एसयूआईटी) या सौर पराबैंगनी इमेजिंग टेलीस्कोप भारत के आदित्य-एल1 मिशन के लिए विकसित एक प्रमुख पेलोड है, जिसका उद्देश्य सूर्य का अध्ययन करना है।
- SUIT को पराबैंगनी (यूवी) रेंज में सूर्य की दो बाहरी परतों, अर्थात् फोटोस्फीयर और क्रोमोस्फीयर की छवि बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

निर्माता : इसे IUCAA वैज्ञानिकों, दुर्गेश त्रिपाठी और ए. एन रामप्रकाश द्वारा बनाया गया।

इमेजिंग सौर परतें:

- SUIT का प्राथमिक उद्देश्य सौर फोटोस्फीयर और क्रोमोस्फीयर की छवियों को कैप्चर करना है।
- प्रकाशमंडल सूर्य की सबसे आन्तरिक बाहरी परत है जो सीधे दिखाई देती है। क्रोमोस्फीयर फोटोस्फीयर के ठीक ऊपर स्थित है।

पराबैंगनी रेंज और तापमान भिन्नता:

- SUIT सौर विकिरण की विशिष्ट तरंग दैर्ध्य को पकड़ने के लिए पराबैंगनी रेंज में काम करता है।
- प्रकाशमंडल में तापमान 3,700 और 6,200 डिग्री सेल्सियस के बीच होता है।
- क्रोमोस्फीयर का तापमान 3,700 और 7,700 डिग्री सेल्सियस के बीच होता है।

आदित्य-एल1 मिशन में योगदान:

- SUIT आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान के मुख्य पेलोड में से एक है।
- यह सूर्य के व्यवहार और घटनाओं से संबंधित वैज्ञानिक लक्ष्यों को संबोधित करने के लिए महत्वपूर्ण डेटा का संग्रह करेगा है।

कोकबोरोक

कोकबोरोक

त्रिपुरा जनजातियों की लिंगुआ फ्रैंका:

- कोकबोरोक त्रिपुरा के 19 आदिवासी समुदायों में से अधिकांश द्वारा बोली जाने वाली प्राथमिक भाषा है।
- इसका राज्य में सांस्कृतिक और भाषाई महत्व है।

ऐतिहासिक मान्यता:

- कोकबोरोक को 1979 में त्रिपुरा की आधिकारिक राज्य भाषा के रूप में मान्यता दी गई थी।
- इसे 22 डिग्री कॉलेजों और त्रिपुरा सेंट्रल यूनिवर्सिटी सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ाया जाता है।

स्क्रिप्ट (लिपि) का आभाव:

- कोकबोरोक के पास अपनी स्क्रिप्ट (लिपि) का अभाव है, जिसके कारण इसे कैसे लिखा जाना चाहिए, इस पर बहस चल रही है।
- इस बारे में लंबे समय से बहस चल रही है कि इसे बंगाली या रोमन लिपि में लिखा जाना चाहिए या नहीं।

आयोग और सिफ़ारिशें:

- पूर्ववर्ती सरकार ने भाषाई मुद्दे के समाधान के लिए दो आयोगों की स्थापना की।
- श्यामा चरण और भाषाविद् पबित्रा अयोग
- सरकार के नेतृत्व वाले आयोग ने जनजातीय प्राथमिकताओं के आधार पर रोमन लिपि का समर्थन किया।

टिपरा मोथा का का पक्ष:

- क्षेत्रीय पार्टी टीआईपीआरए मोथा कोकबोरोक के लिए बंगाली और रोमन दोनों लिपियों को बनाए रखने की वकालत करती है।

समाचारों में स्थान

जोहान्सबर्ग

जोहान्सबर्ग की एक इमारत में आग लग गई, जिसमें कम से कम 63 लोगों की मृत्यु हो गई।

राजनीतिक सीमाएँ: जोहान्सबर्ग दक्षिण अफ्रीका के गौतेंग प्रांत में स्थित है।

शहर की सीमा पूर्व में एकुरहुलेनी, दक्षिण में सेडीबेंग, पश्चिम में वेस्ट आर और उत्तर में मोगले शहर से लगती है।

भौतिक विशेषताऐं:

- जोहान्सबर्ग दक्षिण अफ्रीका के पठार हाईवेल्ड पर स्थित है।
- यह शहर विटवाटरसैंड द्वारा विभाजित है, जो सोने से समृद्ध पहाड़ियों की एक श्रृंखला है।
- यह शहर कई नदियों का घर है, जिनमें जुक्स्केई नदी और क्रोकोडाइल नदी भी शामिल हैं।

इतिहास:

- जोहान्सबर्ग के आसपास का क्षेत्र मूल रूप से सैन शिकारी-संग्रहकर्ता और सोथो-त्स्वाना लोगों द्वारा बसा हुआ था।
- 1886 में, विटवाटरसैंड पर सोने की खोज की गई, जिससे जोहान्सबर्ग का तेजी से विकास हुआ।
- जोहान्सबर्ग रंगभेद विरोधी आंदोलन का भी एक प्रमुख केंद्र था।
- 1994 में, दक्षिण अफ्रीका में पहला लोकतांत्रिक चुनाव हुआ और जोहान्सबर्ग गौतेंग प्रांत की राजधानी बन गया।

POINTS TO PONDER

- **हाल ही में, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में किसे नियुक्त किया गया है?** - जया वर्मा सिन्हा
- **असम स्थित किस ऑन्कोलॉजिस्ट ने जन-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा के माध्यम से कैंसर के इलाज में क्रांति लाने के लिए 2023 रेमन मैग्सेसे पुरस्कार जीता?** - रवि कन्नन
- **भारत के बाद, किन अन्य देशों ने 2023 के लिए चीन के नए "मानक मानचित्र" का विरोध किया?** - फिलीपींस, मलेशिया और इंडोनेशिया
- **प्रेस सूचना ब्यूरो (PIB) के नए प्रधान महानिदेशक के रूप में किसे नियुक्त किया गया है?** - मनीष वी.देसाई
- **चंद्रयान-3 के लैंडर पर किस पेलोड ने सीटू माप पूरा कर लिया है?** - रंभा-एल.पी